पत्रांक– 5959 न०वि०एवंआ०वि०

बिहार सरकार
नगर विकास एवं आवास विभाग

प्रेषक,

चैतन्य प्रसाद,
प्रधान सचिव।

सेवा में,

कार्यपालक पदाधिकारी,
नगर परिषद् बेनीपुर।

पटना, दिनांक 31/8/16

विषय :– **माह जुलाई 2016 की मासिक समीक्षा टिप्पणी के संबंध में।**

महाशय,

नगर विकास एवं आवास विभाग द्वारा आपके कार्यों की मासिक समीक्षा की जा रही है। माह जुलाई तक प्राप्त प्रतिवेदनों की समीक्षा से निम्न तथ्य विदित होते हैं :–

1. **चतुर्थ राज्य वित्त आयोग** :–

(i) चतुर्थ राज्य वित्त आयोग के अंतर्गत दिनांक 01.04.2016 को आपके नगर निकाय में 0.44 लाख रूपये उपलब्ध थे। वर्ष 2016–17 में 0.00 लाख रूपये विमुक्त हुए। कुल उपलब्ध 0.44 लाख रूपये संसाधनों में से अद्यतन व्यय 0.41 लाख रूपये है, जो मात्र 93.18 प्रतिशत है। स्पष्टतः आपकी उपलब्धि **संतोषजनक** है।

2. **13वें वित्त आयोग** :–

(i) 13वें वित्त आयोग के अंतर्गत दिनांक 01.04.2016 को आपके नगर निकाय में 6.55 लाख रूपये उपलब्ध थे। वर्ष 2016–17 में 0.14 लाख रूपये विमुक्त हुए। कुल उपलब्ध 6.69 लाख रूपये संसाधनों में से अद्यतन व्यय 3.36 लाख रूपये है, जो मात्र 50.22 प्रतिशत है।

3. **14 वें वित्त आयोग**

14 एवं वित्त आयोग के अंतर्गत दिनांक 01.04.2016 को आपके नगर निकाय में 64.42 लाख रूपये उपलब्ध थे | वर्ष 2016-17 में 147.44 लाख रूपये बिमुक्त हुए | कुल उपलब्ध 211.66 लाख रूपये संसाधनों में से अधतन व्यय 40.80 लाख रुपये है, जो की मात्र 19.28 प्रतिशत है| स्पष्टतः आपकी उपलब्धि अत्यंत निराशाजनक है।

4. **राज्य योजना** :–

(i) राज्य योजना अंतर्गत दिनांक 01.04.2016 को आपके नगर निकाय में 145.23 लाख रूपये उपलब्ध थे। वर्ष 2016–17 में 0.00 लाख रूपये विमुक्त हुए। । कुल उपलब्ध 145.23 लाख रूपये संसाधनों में से अद्यतन व्यय 2.55 लाख रूपये है। जो मात्र 1.76 प्रतिशत है।

(ii) भौतिक प्रतिवेदन की समीक्षा करने से ज्ञात है कि दिनांक 01.04.2016 को **कोई भी** योजना लंबित **नहीं** है एवं चालू वित्तीय वर्ष 2016–17 में 3 योजना ली **गई है | इस प्रकार कुल कार्यरत 3 योजनाओ में 2 योजना पूर्ण हुई है** | अतः उपलब्ध संसाधनो में से नयी योजनाओ का चयन करते हुए कार्यो का निष्पादन करें। स्पष्टतः आपकी उपलब्धि **अत्यंत निराशाजनक है|**

5. <u>पंचम वित्त आयोग</u>

पंचम वित्त आयोग के अंतर्गत दिनांक 01.04.2016 को आपके नगर निकाय में 377.87 लाख रूपये उपलब्ध थे | वर्ष 2016-17 में 0.00 लाख रूपये बिमुक्त हुए | कुल उपलब्ध 377.87 लाख रूपये संसाधनों में से अधतन व्यय 141.62 लाख रुपये है, जो की मात्र 37.48 प्रतिशत है | स्पष्टतः आपकी **उपलब्धि निराशाजनक** है।

6. <u>**पिछड़ा क्षेत्र अनुदान निधि (BRGF)**</u>:–

(i) पिछड़ा क्षेत्र अनुदान निधि के अंतर्गत दिनांक 01.04.2016 को आपके नगर निकाय में 11.13 लाख रूपये उपलब्ध थे। वर्ष 2016–17 में 0.0 लाख रूपये विमुक्त हुए कुल उपलब्ध 11.13 लाख रूपये संसाधनों में से अद्यतन व्यय 0.00 **लाख रूपये** है। जो मात्र 0.00 प्रतिशत है।

(ii) भौतिक प्रतिवेदन की समीक्षा करने से ज्ञात है कि दिनांक 01.04.2016 को **आपके यहाँ कोई भी** योजनाएं लंबित **नहीं** थी। वर्ष 2016–17 में अब तक **कोई भी** योजना **नहीं** ली गयी है। अतः उपलब्ध संसाधनों में से नयी योजनाओं का चयन करते हुए कार्यो का निष्पादन करें। स्पष्टतः आपकी उपलब्धि ***अत्यंत निराशाजनक*** है।

7.<u>**ठोस अवशिष्ट प्रबंधन**</u> :–

(i) आपके शहर में कुल 29 वार्ड हैं, जिसमें से 29 वार्डों में डोर–टू–डोर कूड़ा संग्रहण का कार्य हो रहा है।

(ii) सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए यांत्रिकरण पर जोर दिया जा रहा है, लेकिन वांछित संख्या में मशीनों का क्रय नहीं किया गया है। शहर में कार्यरत सफाई कर्मियों की ससमय उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए बायोमिट्रिक हाजिरी व्यवस्था करने का निर्देश दिया गया है, इसका अनुपालन अप्राप्त है। ठोस अवशिष्ट के प्रभावी प्रबंधन एवं निष्पादन के लिए की जा रही कार्रवाई का प्रतिवेदन अपेक्षित है।

8. <u>**मुख्यमंत्री स्वच्छता अनुदान**</u> :- **मुख्यमंत्री स्वच्छता अनुदान योजना के** अंतर्गत दिनांक 01.04. 2016 को आपके नगर निकाय में 120.62 लाख रूपये उपलब्ध थे। वर्ष 2016–17 में 0.00 लाख रूपये विमुक्त हुए। कुल उपलब्ध 120.62 **लाख** रूपये संसाधनों में से **दूरभाष पर प्राप्त सूचना के अनुसार** अद्यतन व्यय 90.47 **लाख रूपये** है।

9.<u>उपयोगिता प्रमाण पत्र</u> :–

आपके निकाय के विरूद्ध वित्तीय वर्श 2003–04 से 2014–15 तक की अवधि में कुल 1704.67 लाख की राशी विभाग द्वारा आवंटित की गयी थी जिसके आलोक में अभी तक कुल 1577.59 लाख रूपये का उपयोगिता प्रमाण पत्र जमा की गयी है और 127.08 लाख की राशि अभी तक समायोजित के लिए लंबित हैं। शेष लंबित राशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र अगले 7 दिनों के अंदर विभाग में जमा करें |

10.<u>नगर सेवा प्रबंधन</u> :–

आपके शहर से संबंधित इस वित्तीय वर्ष में हेल्पलाईन के माध्यम से 12 जन शिकायतें प्राप्त हुई हैं, जिसमें 10 का निराकरण किया गया है, स्पष्टतः आपकी उपलब्धि ***संतोषजनक*** है।

11. <u>होल्डिंग टैक्स</u> :– माह जुलाई 2016 का मासिक संग्रहण 0.00 लाख रूपये है, वित्तीय वर्ष 2016-17 की औसत मासिक संग्रहण 0.09 लाख रूपये है जो की वितीय वर्ष 2015-16 की औसत मासिक संग्रहण से अधिक है। दिनांक 01.04.2016 को होल्डिंग की संख्या 0 थी एवं अद्यतन तिथि तक 0 होल्डिंग ही है। होल्डिंग का सर्वेक्षण करके अतिरिक्त होल्डिंग को होल्डिंग टैक्स के दायरे में लाने के लिए किये गये प्रयास जारी रहे।

प्राप्त सूचना के अनुसार आपके यहाँ होल्डिंग सर्वेक्षण का कार्य प्रगति पर है | होल्डिंग का सर्वेक्षण करके अतिरिक्त होल्डिंग को होल्डिंग टैक्स के दायरे में लाने के लिए किये गये प्रयास जारी रहे। स्पष्टतः अब तक उपलब्धि **अत्यंत निराशाजनक** है।

12. <u>अन्य स्रोतों से कर</u> :–

अन्य स्रोतों से कर वसूली 2.41 लाख रूपये है, जिसमें सुधार लाने का प्रयास करें।

13. <u>स्वच्छ भारत मिशन</u> :–

स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत शौचालय निर्माण हेतु वित्तीय वर्ष 2015-16 में दिए गए कुल लक्ष्य 1162 एवं वित्तीय वर्ष 2016-17 में दिए गए कुल लक्ष्य 2324 अथार्त कुल लक्ष्य 3486 के विरुद्ध आपके निकाय में 25 व्यक्तिगत शौचालय का निर्माण किया गया है लेकिन एक भी सामूहिक एवं Public Toilet नहीं बने हैं। इस पर जोर दिया जाय।

14. <u>सबके लिए आवास</u> :- सबके लिए आवास (HFA) योजनान्तर्गत आपके नगर निकाय में वितीय वर्ष 2016-17 में भारत सरकार द्वारा 500 घर बनाने की स्वीकृति प्रदान की गई है | जिसमे से 423 लाभार्थियों के विवरण को भारत सरकार के MIS Online Portal पर

इंट्री की गई है | आपके द्वारा अब तक 30 Beneficiaries record (अभिलेख) खोली गई है लेकिन अब तक एक भी लाभार्थी को प्रथम क़िस्त की राशि का RTGS नहीं किया गया है | कृपया इसमें और तेजी लाने का प्रयास करें |

15. **<u>पी०एल०खाता</u>:-** दिनांक 01.04.2016 को आपके नगर निकाय के पी० एल० खाते में 612.42 लाख रूपये उपलब्ध थे। वर्ष 2016–17 में 18.87 लाख राशि विमुक्त की गई है। इस प्रकार कुल उपलब्ध 631.29 लाख की राशि में से 126.51 लाख मात्र राशि का भुगतान किया गया है | शेष 504.77 लाख की अव्यवहृत अंतिम राशि (Closing Balance) अभी भी मौजूद है जो अत्यंत ही बड़ी राशि है|

निर्देश दिया जाता है कि इस मासिक समीक्षा टिप्पणी में अंकित तथ्यों पर लिखित अनुपालन प्रतिवेदन पत्र निर्गत होने के तीन सप्ताह के अंदर अनिवार्य रूप से विभाग को प्रेषित किया जाय। इस मासिक समीक्षा टिप्पणी को विभागीय वेबसाईट पर अपलोड किया जा रहा है। साथ ही आपके द्वारा समर्पित किये जा रहे मासिक समीक्षा टिप्पणी का अनुपालन प्रतिवेदन भी वेबसाईट पर अपलोड किया जाएगा।

विश्वासभाजन

29/8/2016

(चैतन्य प्रसाद)
प्रधान सचिव